



NaMo 25 · #25YearsofSeva

लाल किले की प्राचीर से · 15 अगस्त 2026

80वाँ स्वतंत्रता दिवस

“जो काम पिछले 5-7 दशक में नहीं हुए हैं, वो काम हमें आने वाले 5-7 साल में करने हैं” — प्रधानमंत्री, लाल किला, 15 अगस्त 2026

7 अक्टूबर 2001 → 7 अक्टूबर 2026 · 25 साल, ज़ीरो ब्रेक · 25YearsofSeva.com · संस्करण 88 · 7 अक्टूबर 2026
हर आँकड़ा तिथि सहित — पूरा रिकॉर्ड वेबसाइट पर।



2026

80वाँ स्वतंत्रता दिवस

“जो काम पिछले 5-7 दशक में नहीं हुए हैं, वो काम हमें आने वाले 5-7 साल में करने हैं”

— प्रधानमंत्री, लाल किला, 15 अगस्त 2026

लाल किले से हिसाब

सौर क्षमता 2 से 160 गीगावाट; 50 लाख घरों पर पीएम सूर्य घर; रेल विद्युतीकरण शत-प्रतिशत; 2.5 लाख से अधिक स्टार्टअप; रक्षा निर्यात 50 गुना; 100 करोड़ को सामाजिक सुरक्षा; 3 करोड़ लखपति दीदी का लक्ष्य पार।

- सपन धारा — विकसित भारत की सात शक्तियाँ — मैनुफैक्चरिंग, कृषि और खाद्य, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन, गति शक्ति, रक्षा, ग्रीन और ब्लू इकोनॉमी, सॉफ्ट पावर।

आज संकल्प 2047 की कार्यसूची — “जो 5-7 दशक में नहीं हुआ, वह 5-7 साल में”।

- निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग — विभिन्न परीक्षाओं के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर मुफ्त कोचिंग का राष्ट्रीय नेटवर्क।

आज गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के हजारों करोड़ के कोचिंग खर्च में राहत का संकल्प।

- 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा — शांति अधिनियम के बाद — इसी दशक में पाँच नए रिएक्टर; फास्ट ब्रीडर तकनीक में महारत।

आज 2025 के “10 गुना” संकल्प को आँकड़ा मिला।

- 6 करोड़ लखपति दीदी — 3 करोड़ का लक्ष्य पार — अब 3 करोड़ और।

आज 3 करोड़ से अधिक लखपति दीदी (अगस्त 2026)।

- 1 करोड़ युवाओं को एआई प्रशिक्षण — एक वर्ष में — “देश का नौजवान एआई की दुनिया में नेतृत्व करे”।

आज एक वर्ष का लक्ष्य — ₹10,372 करोड़ के इंडियाएआई मिशन के साथ।

- 2036 ओलंपिक के लिए टैलेंट हंट — 5 से 15 वर्ष के बच्चों में गाँव-गाँव, स्कूल-स्कूल खेल प्रतिभा की खोज और विशेष प्रशिक्षण।

आज 2024 के “2036 ओलंपिक भारत में” सपने का अगला चरण।

- समुद्र मंथन — ₹85,000 करोड़ — समुद्री तट का 99% हिस्सा अन्वेषण के लिए खुला; नए तेल-गैस भंडार की खोज।

आज 2025 में घोषित डीप वाटर मिशन को गति।

- फ्रॉन्ट्रून 500 में 50 भारतीय कंपनियाँ — एक दशक में — विश्व के शीर्ष पाँच बैंकों में एक भारतीय बैंक, शीर्ष फार्मा कंपनियों में भारतीय नाम।

आज आत्मनिर्भर भारत का अगला पड़ाव — विश्व अर्थव्यवस्था में भारत शीर्ष पाँच में।